सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण
दिनांक– 26.12.2017 से 29.12.2017
जिला–फर्रुखाबाद (उ0प्र0)

टीम सदस्य–

1. डा0 रेशमा मसूद, सहायक महाप्रबंधक, (आर0बी0एस0के0) एन0एच0एम0
2. श्री आदेश शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक(मुख्यालय)

दिनांक 26/12/17

कार्यालय –मुख्य चिकित्सा अधिकारी, फर्रखाबाद

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डी0पी0एम0यू एवमं वी0पी0एम0यू0 के सदस्यों के साथ सहयोंगात्मक पर्यवेक्षण के उदेदश्य कार्याक्रम सम्वन्धी भौतिक एवमं वित्तीय प्रगति तीन वर्षिय पी0आई0पी वर्ष 2018–19, 2019–20, 2020-21की तैयारी के सम्बन्ध मे चर्चा की गयी। यह भी सुझाव दिया गया कि दिनांक 28/12/2017 को जिला अधिकारी की अध्यक्षता मे अयोजित होने वाली जिला स्वास्थ समिति की बैठक में प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम सम्बधी भौतिक एवमं वित्तीय प्रगति तथा पी0आई0पी सम्बधी मुददो को भी सम्मलित किया जाये।

सी0एच0सी0 –बरौन
उपकेन्द्र– अजमतपुर
विकास खण्ड–बरपुर

क्रम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	लेबर टेबिल पर जंग लगी हुई थी और मेट्रेस नही बिछी थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी ए0एन0एम0	लेबर टेबिल तुरन्त बदल दी गयी।
2	ए0एन0एम0 एस0बी0ए0 पी0पी0आई0यू0 सी0डी0 तथा आर0के0एस0के0 प्रशिक्षित नही थी	प्रभारी चिकित्साधिकारी	आश्वासन दिया गया कि अगले बैच में प्रशिक्षण करा दिया जायेगा।
3	नर्स मेन्टर द्वारा पर्यवेक्षण नही किया गया था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं टी0एस0यू0 प्रभारी	शीघ्र करवाने का आश्वासन दिया गया।
4	पावर बैकअप की व्यवस्था नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	प्रयास किया जा रहा है
5	उपस्थित लाभार्थियों को परिवार नियोजन उपायों की जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
6	ए0एन0एम0 के पास आर0सी0एच0 रजिस्ट्र उपलब्ध नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी	आश्वासन दिया गया कि रजिस्ट्र शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाएगा।
7	प्रसव कक्ष में ट्रीकाकरण सारिणी एवमं प्रोटोकोल पोस्टर उपलब्ध नही थे।	प्रभारी चिकित्साधिकारी	आश्वासन दिया गया कि शीघ्र उपलब्ध करा दिये जायगें।
8	नवजात शिशु के शरीर को पोछने हेतु तोलिया उपलब्ध नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	आश्वासन दिया गया कि तोलिया उपलब्ध करा दी

			जायेगी।
9	Delayed Cord Cutting Practice नही की जा रही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	टीम द्वारा Delayed Cord Cutting का महत्व बताया गया।
10	नवजात शिशु को Early Initiation of Breast Feeding नही करायी जा रही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	टीम द्वारा Early Initiation of Breast Feeding महत्व बताया गया तथा अपने सामने कार्यवाही करायी गयी।
11	ए0एन0एम0 के पास उसकी क्षेत्र की चिन्हित एच0आर0पी0 की सूची उपलब्ध नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	टीम द्वारा ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि उपकेन्द्र पर एच0आर0पी की सूची उपलब्ध होना अति आवश्यक है।
12	Placenta Disposal हेतु उचित व्यवस्था नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र व्यवस्था करा दी जायेगी।

दिनांक 27/12/17
सी0एच0सी0 –कमालगंज

वी0एच0एन0डी0 स्थान–ग्राम –दौलतपुर/ राम आसरे का घर

क्रम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	ए0एन0सी0/पी0एन0सी0 चेकअप का स्थान निर्धारित नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
2	सत्र पर माइक्रोप्लान तथा ड्यू लिस्ट नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
3	ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के पश्चात लाभार्थियों को दिये जाने वाले चार सन्देश नही दिये जा रहे थे।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं टी0एस0यू0 प्रभारी	करने का आश्वासन दिया गया।
4	आशा को आशा शिकायत प्रकोष्ठ के बारे में जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
5	आशा को एम0यू0ए0सी0 टेप के बारे में जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
6	अल्टरनेट वैक्सीन डिलीवरी का वर्ष 2016–17 का भुगतान ए0एन0एम0 को प्राप्त नही हुआ है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0पी0एम0, बी0ए0एम0 एवं ए0एन0एम0	प्रयास किया जा रहा है।
7	एस0ए0एम0 स्क्रीनिंग की जा रही थी परन्तु एन0आर0सी0 से सहयोग न मिल पाने के कारण कार्य नही हो रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0	समन्वय स्थापित करने का आश्वासन दिया गया।

8	उपस्थित लाभार्थियों को परिवार नियोजन उपायों की जानकारी नही दी जा रही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
9	कु0 कृष्णा (उम्र 14 वर्ष) पुत्री श्री हरि राम ने बताया कि उनके राजकीय विद्यालय में आयरन की नीली गोली तथा सेनैट्री नेपकिन का वितरण नही हुआ।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	प्रयास किया जा रहा ह।
10	ए0एन0एम0, आगनवाडी कार्यकत्री तथा आशा को सा0स्वा0 केन्द्र पर स्थापित किशोर स्वास्थ किलिनिक की जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	टीम द्वारा किशोर स्वास्थ क्लिनिक के विषय मे जानकारी दी गयी।

दिनांक 27/12/17
सी0एच0सी0 –कमालगंज

वी0एच0एन0डी0 स्थान–ग्राम – उस्मान गंज/ आगॅनवाडी केन्द्र

कम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	ए0एन0सी0/पी0एन0सी0 चेकअप जमीन पर किया जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	उचित स्थान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।
2	सत्र पर माइक्रोप्लान नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।
3	ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के पश्चात लाभार्थियों को दिये जाने वाले चार सन्देश नही दिये जा रहे थे।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं टी0एस0यू0 प्रभारी	करने का आश्वासन दिया गया ।
4	आशा को शिकायत प्रकोष्ठ के बारे में जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0सी0पी0एम0 एवं	करने का आश्वासन दिया गया।

		ए0एन0एम0	
5	आशा को एम0यू0ए0सी0 टेप के बारे में जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
6	अल्टरनेट वैक्सीन डिलीवरी का वर्ष 2016–17 का भुगतान ए0एन0एम0 को प्राप्त नही हुआ है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0पी0एम0, बी0ए0एम0 एवं ए0एन0एम0	प्रयास किया जा रहा है।
7	एस0ए0एम0 स्क्रीनिंग की जा रही थी परन्तु एन0आर0सी0 से सहयोग न मिल पाने के कारण कार्य नही हो रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0	समन्वय स्थापित करने का आश्वासन दिया गया।
8	उपस्थित लाभार्थियों को परिवार नियोजन उपायों की जानकारी नही दी जा रही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	करने का आश्वासन दिया गया।
9	पर्यवेक्षण के दोरान ड्यू लिस्ट के अनुसार 21 के सापेक्ष केवल 6 लार्भार्थियों का टीकाकरण किया गया था। पूछने पर ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतर लार्भार्थियों का टीकाकरण मिशन इन्द्रघनुष(8 से 18 दिसमबर 2017) के अर्न्तगत किया जा चुका है।		
10	ए0एन0एम0 आगनवाडी कार्यकत्री तथा आशा को सा0स्वा0 क्रेन्द्र पर स्थापित किशोर स्वास्थ क्लिनिक की जानकारी नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0 एवं ए0एन0एम0	टीम द्वारा किशोर स्वास्थ किलिनिक के विषय मे जानकारी दी गयी।

<u>सी0एच0सी0 –कमालगंज</u>
<u>जूनियर हाई स्कूल</u>

ग्राम– रामपुर मझगवा

विद्याालय के इन्चार्ज मो0 सगीर अंसारी ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 6 से 8 संचालित है तथा कुल 221 छात्र छात्राओं का पंजीकरण है तथा इस वित्तीय वर्ष में विद्यालय में आयरन की नीली गोली तथा विगत 3 माह से सेनैट्री नेपकिन का वितरण नही हुआ। उन्होनें ये भी अवगत कि अब तक उन्हें WIFS का प्ररिक्षण नही दिया गया है और विद्यालय मे नोडल अधिकारी भी नामित नही किया गया है।

सी0एच0सी0 –कमालगंज

कम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	चिकित्सा इकाई पर तैनात मानव ससांधन (स्टाफ) समय से नही आ रहे है।	मुख्या चिकित्साधिकारी प्रभारी चिकित्साधिकार सम्बधित कर्मी	अनुपस्थित स्टाफ का एक दिन के वेतन काटने के निर्देश दिये गये।
2	लेबर टेबेल पर जंग लगी थी। लेबर रूम में डिजिटल घडी नही लगी थी।वाशिंग एरिया में एल्बो टैप नही लगी थी। पैरासिटामोल उपलब्ध नही था। दर्द निवारक दवाए नही थी। तकिये का कवर काफी गंदा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी	तकिया का कवर तुरन्त बदला गया। लेवर टेबल एवमं एल्बो टैप की व्यवस्था शीध्र कराने का आश्वासन दिया गया।
3	लेबर रुम मे रखी गयी इमरजेन्सी ट्रै पर ठीक प्रकार से लेबलिंग नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	टीम के निर्देशन मे इमरजेन्सी ट्रै तुरन्त व्यवस्थित की गयी।
4	प्रसव मे उपयोग होने वाले उपकरणो के	प्रभारी चिकित्साधिकारी	करा दी जायेगी।

	स्ट्रैलाइजेशन का समय अकित नही था।	एवं नर्स मेन्टर	
5	महिला वार्ड में शौचालय नही था। लेबर रूम से अटैच शौचालय का इस्तेमाल लाभार्थियो तथा उनके परिवार वालो के द्वारा किया जा रहा था। इससे प्रस्तूता की प्राइवेसी बाधित हो रही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया ।
6	एम0डी0आर0 रजिस्टर अपडेटेड नही था तथा आक्सीटोसिन उपलब्ध नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
7	डिलीवरी रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 नम्बर नही डाला जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
8	जैली उपलब्ध न होने के कारण फीटल डाप्लर कार्य नही कर रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया
9	बायोंमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट प्रोटोकाल के अनुसार नही किया जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया
10	एन0सी0डी0 काउन्सलर ,द्वारा मरीजों को ठीक प्रकार से ं काउन्सलिंग नही की जा रही है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एन0सी0डी0 चिकित्साधिकारी	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया
11	साफ सफाई की उचित व्यावस्था नही थी	प्रभारी चिकित्साधिकारी	प्रयास किया जा रहा है।
12	एल0एस0सी0एस0 तथा नसबन्धी केसो की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में घटी है।	मुख्या चिकित्साधिकारी प्रभारी चिकित्साधिकार महिला चिकित्साधिकारी	निष्चेतक को आनकाल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जायेगी।
13	जननी शिशु सूरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/ अभिलेख के रुप में उपलब्ध नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
14	ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक पर कार्यरत काउंसलर को किशोरियों में होने वाली स्वास्थ्य अवस्थाओं के सम्बंध में ठीक प्रकार से जानकारी नही थी। बी0एम0आई0 की जानकारी नही थी।काउंसलर के पास वजन एवं लबाई मापने के उपकरण उपलब्ध नही थें। क्लीनिक पर कोई आई0ई0सी डिसप्ले नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी आर0के0एस0के0 कोआर्डिनेटर ए0एफ0एच0एस0 काउंसलर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
15	**राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम(RBSK)** ● ब्लाक स्तर पर माइक्रोप्लान	मुख्य चिकित्साधिकारी प्रभारी चिकित्साधिकारी	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया

	संबंधित विभाग यथा शिक्षा आईसीडीएस विभाग के समन्वय से तैयार करके पूर्ण रूप से नही बनाया गया । इस मद में वित्तीय वर्ष में प्रति ब्लाक रूपये 500 का व्यय नही किया गया। • कार्यक्रम के अंतर्गत चश्मों का वितरण नही कराया गया कमिटेड के बावजूद कोई खर्च नही कराया गया। • आरबीएसके कार्ड/ रजिस्टर पिछले 6 महीने से टीम के पास उपलब्ध नही है। इस मद में दी गयी अवमुक्त धनराशि का भी व्यय नही किया गया है। • डेडीकेटेड मोबाइल हेल्थ टीम हेतु उपकरण भी उपलब्ध नही कराये गयें। इस मद में भी व्यय शून्य है। • मोबाइल हेल्थ टीम के लिए लैपटाप क्रय नही किया गया तथा इसके साथ दिये जाने वाले डाटा कार्ड का भी व्यय शून्य है। • प्रति टीम हेतु 5 हजार रूपये के दर से औषधियों का क्रय करना था(जो औषधियां सीएचसी/ब्लाक स्तर पर उपलब्ध है उनके अतिरिक्त)इस मद में भी धनराशि का व्यय शून्य था। • भ्रमण के दौरान पाया गया कि आरबीएसके टीम सदस्य समय से आने का ठीक से पालन नही कर रहे है। • टीम द्वारा सम्दर्भित किये गये बच्चों के सापेक्ष उपचारित बच्चों के लाइन लिस्ट उपलब्ध नही थी। • एचबीएनसी के दौरान आशा द्वारा भ्रमण के समय जन्मजात दोषों हेतु परीक्षण नही किया जा रहा है जिसकी रिपोर्ट राज्य स्तर को प्रेषित नही की जा रही है।	आर0बी0एस0के0 मोबाइल हेल्थ टीम सदस्य गण	गया।

	• टीम के सदस्यों को क्षेत्र भ्रमण से पूर्व मूवमेन्ट रजिस्टर में समय का अंकन नही किया जा रहा था। • वाहनो की लागबुक का समय समय पर सत्यापन नही किया जा रहा था।		
16	सोलर सिस्टम अच्छे से कार्य कर रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी	टीम द्वारा प्रशंसा की गयी।

जिला चिकित्सालय **दिनांक 28/12/2017**

क्रम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	चिकित्सालय में स्थित एन0आर0सी0 में 12 बेड के सापेक्ष समस्त बेड पर कोई भी बच्चा भर्ती नही था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एन0आर0सी0 चिकित्सा अधिकारी	आश्वासन दिया गया कि 15 दिन के भीतर बेड ओकोपैन्सी बढा ली जायेगी।
2	एन0आर0सी0 पर तैनात मानव ससांधन (स्टैफ) समय से नही आ रहे है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एन0आर0सी0 चिकित्सा अधिकारी	अनुपस्थित स्टाफ के लिए कार्यवाही करने के लिए अधीक्षक महोदय से कहा गया।
3	एन0आर0सी0 पर माह नवम्बर 2017 की रिपोर्ट Update नही मिली।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एन0आर0सी0 चिकित्सा आधिकारी	टीम द्वारा तुरन्तं Update करायी गयी।

4	एन0सी0डी0 क्लीनिक पर सविदा पर तैनात चिकित्सा अधिकारी का मरीजो से व्यवहार उदासीन था। काउन्सलर ,द्वारा मरीजों को ठीक प्रकार सें काउन्सलिंग नही की जा रही है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, एन0सी0डी0 चिकित्साधिकारी	
5	ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक पर कार्यरत काउन्सलर को किशोरों में होने वाली स्वास्थ्य अवस्थाओं के सम्बंध में ठीक प्रकार से जानकारी नही थी।काउंसलर के पास वजन एवं लबाई मापने के उपकरण उपलब्ध नही थें। क्लीनिक पर कोई आई0ई0सी डिसप्ले नही था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, आर0के0एस0के0 समन्वयक, ए0एफ0एच0एस0 काउंसलर	समस्या दूर करने का आश्वासन दिया गया।
6	चिकित्सायलय में स्थित बल्ड बैक क्रियाशील है। काउन्सलर द्वारा निर्धारित प्रारूप पर सभी कॉलम ठीक प्रकार से भरें नही गये थे।लैब में कार्यरत स्टाफ द्वारा सेफटी प्रिकॉशन का ध्यान नही रखा जा रहा था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी बल्ड बैक	आश्वासन दिया गया कि इसें ठीक कर लिया जायेगा।

Blood Bank

डा0 राम मनोहर लोहिया जिला महिला चिकित्सालय दिनांक– 28/12/2017

क्रम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत्य कार्यवाही
1	MDR(Maternal Death Review) रजिस्टर उपलब्ध न होने के कारण सम्बन्धित आडिट रिर्पोट का सत्यापन नही किया जा सका।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या दूर करने का आश्वासन दिया गया।
2	लेबर रुम मे रखी गयी सभी ट्रै ठीक प्रकार से लेबिल तथा व्यवस्थित नही थी।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं नर्स मेन्टर	समस्या दूर करने का आश्वासन दिया गया ।
3	चिकित्सालय में प्रत्येक मांह लगभग 350-400 प्रसव कराये जाते है।परन्तु मात्र दो डिलिवरी सैट उपलब्ध थे।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या दूर करने का आश्वासन दिया गया।
4	प्रसव मे उपयोग होने वाले उपकरणो के स्ट्रैलाइजेशन का समय अकिंत नही था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	करा दी जायेगी।
5	लेबर रूम से अटेच शौचालय नही था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	
6	एम0डी0आर0 रजिस्टर अपडेट नही था तथा आक्सीटोसिन उपलब्ध नही थी।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
7	लेबर रुम में गर्भवती महिला का पार्टोग्राफ नही बनाया जा रहा था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या दूर करने का आश्वासन दिया गया।
8	बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट प्रोटोकाल के अनुसार नही किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
9	BHT नियमित एवमं ठीक प्रकार से नही भरी जा रही थी।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
10	जननी शिशु सूरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एंव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप अभिलेख के रुप में उपलब्ध नही था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
11	लेबर रूम में कार्यरत स्टाफ द्वारा सेफटी प्रिकॉशन का ध्यान नही रखा जा रहा था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर	स्टाफ को प्रशिक्षित करके समस्या शीध दूर करने का आश्वासन दिया गया।
12	लेबर रूम में Nevirapine tablet तथा Nevirapine suspension मौजूद नही था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर इन्चार्ज एवं नर्स मेन्टर पी0पी0टी0सी0टी0 काउन्सलर	टीम द्वारा सुक्षाव दिया गया कि Nevirapine tablet तथा Nevirapine suspension का डोस

			अकित कर डिसप्ले किया जायें।
13	ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक पर कार्यरत काउन्सलर को किशोरियों में होने वाली स्वास्थ्य अवस्थाओं के सम्बंध में ठीक प्रकार से जानकारी नही थी। बी0एम0आई0 की जानकारी नही थी।काउंसलर के पास वजन एवं लंबाई मापने के उपकरण उपलब्ध नही थे। क्लीनिक पर कोई आई0ई0सी डिसप्ले नहीं था।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, आर0के0एस0के0 समन्वयक, ए0एफ0एच0एस0 काउंसलर	समस्या शीध्र दूर करने का आश्वासन दिया गया।
14	महिला चिकित्सालय में एस0एन0सी0यू0 स्थित है। पर्यवेक्षण के दौरान 12 बेड के स्थान पर 8 बेड पर नवजात शिशु भर्ती पायें गयें। अधिकतर शिशु आउट बार्न पाये गये। इनको फीडिग हेतु ई0बी0एफ0(Expressed Breast Feeding) कराया जा रहा था।		टीम द्वारा सुक्षाव दिया गया कि जितना संभव हो सके नवजात शिशुओं की Active Feeding हेतु प्रोतसाहित किया जाए।

दिनांक- 28/12/2017

जिला अधिकारी महोदया की अध्यक्षता मे जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति सुश्री मोनिका रानी, आई0ए0एस0 की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई। बैठक में सचिव जिला स्वास्थ्य समिति/ प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी फर्रुखाबाद डा0 दलबीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री अर्पिता दुबे, आई0ए0एस0, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पुरुष एवमं महिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, समस्त ब्लौकों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, डी0पी0एम0 डी0ए0एम0, ब्लौकों के बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0, बी0ए0एम0, आर0के0एस0के0 के कोर्डिनेटर ,अरर्बन हेल्थ मैनेजर ,जिला क्वालिटी मैनेजर तथा मंडलीय कार्यक्रम प्रबन्धक आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस बैठक में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक डा0 रेशमा मसूद सहायक महाप्रवंधक आर0बी0एस0के0 तथा आदेश शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक ,मुख्यालय भी उपस्थित थे। अध्यक्ष महोदया द्वारा विस्तृत रूप से कार्यक्रम वार वित्तीय एवमं भौतिक प्रगति की गहन समीक्षा की गयी।उनके द्वारा धनराशि कम व्यय होने पर रोष व्यक्त किया गया। उन्होने निर्देशित किया कि यदि आगमी बैठक में वित्तीय व्यय एवमं भौतिक प्रगति पर अपेक्षाकृत सूधार नही हुआ तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। राज्यस्तरीय पर्यवेक्षक डा0 रेशमा मसूद द्वारा जनपद की आगामी तीन वर्षा की पी0आई0पी0 तैयार करने के सम्बन्ध में मिशन निदेशक एन0एच0एम0 के निर्देशो से अवगत कराया । बैठक में उपस्थित जिला एंव ब्लौक स्तरीय अधिकारी से वित्तीय एवं भौतिक प्रगति में सुधार करने हेतु कहा गया। अध्यक्ष महोदया द्वारा राज्य पर्यवेक्षकों को आश्वासन दिया गया कि आगामी माह मे वित्तीय व्यय में अच्छा प्रर्दशन होगा तथा जनपद की पी0आई0पी0 तैयार कर ली जायेगी।

जिला अधिकारी महोदया, द्वारा राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों से अनुरोध किया गया कि जिले में वित्तीय समीक्षा हेतु राज्य स्तर से वित्तीय टीम भेजी जायें जो पिछले दो वित्तीय वर्ष में वित्तीय व्यय की समीक्षा कर उसकी आख्या सुझावों के साथ जिला स्वास्थ्य समिति को उपलब्ध करायी जायें।

दिनांक- 29/12/2017
मुख्य चिकित्सा अधिकारी फर्रुखाबाद डा0 दलबीर सिंह की अध्यक्षता में आहूत बैठक

इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डी0ए0एम0, अरर्बन हेल्थ मैनेजर, जिला क्वालिटी मैनेजर, नर्स मेन्टर के सुपरवाइजर, राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक डा0 रेशमा मसूद, सहायक महाप्रवंधक, आर0बी0एस0के0 तथा आदेश शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक, मुख्यालय ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षण के द्वारान चिकित्सा इकाईयों पर पायी गयी कमिया तथा उनके निदान के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया। बैठक मे तीन वर्षीय पी0आई0पी0 तैयार करने के सम्बन्ध में चर्चा हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि वे जनपद फर्रुखाबाद में माह नवम्बर 2017 से कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रुप में काम कर रहें है। अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2017–18 में 04 निम्न मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा कार्य किया गया है। डा0 राकेश कुमार (जुलाई 2012 से मई 2017), डा0 चन्द्रशेखर (मई 2017 से अगस्त 2017), डा0 यू0के0 पाण्डेय (अगस्त 2017 से वर्तमान में अवकाश पर), डा0 दलबीर सिंह वर्तमान में कार्यवाहक मुख्य चिकित्साधिकारी। जिसके कारण विभिन्न कार्यक्रम प्रभावित हो रहे है।

दिनांक- 29/12/2017
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र साहबगंज

क्रम0सं0	पर्यवेक्षण बिन्दु	उत्तरदायित्व	कृत कार्यवाही
1	नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुचने के लिए संकेतक नही पाए गए	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अरबन हेल्थ कोर्डिनेटर	आश्वासन दिया गया कि चौराहे पर बोर्ड 15 दिन के भीतर लगवा लिया जायेगा
2	स्वास्थ्य केन्द्र के खुलने का समय बोर्ड पर अकिंत नही था	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अरबन हेल्थ कोडिनेटर	टीम द्वारा सुझाव दिया कि खुलने का समय बोर्ड पर अकिंत किया जाये जिससे अधिक से अधिक मरीज स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुॅच कर सुविधांए/ स्वास्थ्य सेवायें ले सके
3	केन्द्र में प्रसव पूर्व सेवाएं एवं प्रसवोत्तर सेवाओ की जानकारी हेतु आई0ई0सी0 डिस्प्ले नहीं लगा पया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अरबन हेल्थ कोआर्डिनेटर	टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि वॉल पेंटिग या बोर्ड के माध्यम से लिखवाया जाए
4	Movement Register मे कर्मियों के जाने का समय एवमं उद देश्य अकित नही था	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अरर्बन हेल्थ कोडिनेटर	टीम द्वारा तुरन्त Movement Register में जाने का समय एवमं उद्देश्य अकित कराया गया।
5	Examination Table के पास खाली ऑक्सीजन सिलेंडर रखा था।		टीम द्वारा तुरन्त उसको हटवाया गया।
6	टीकाकरण के स्थान पर टीकाकरण सारिणी उल्लेखित नही थी।		टीम द्वारा शीघ्र टीकाकरण सारिणी डिस्प्ले करने के लिए निर्देशित किया गया

	स्वास्थ्य केन्द्र पर बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट हेतु कलर कोडड बिन्स उपलब्ध थे परन्तु उसका उपयोग नही किया जा रहा था	अरबन हेल्थ कोडिनेटर	टीम द्वारा कलर कोडड बिन्स का ठीक प्रकार से उपयोग करने हेतु निदेशित किया गया

दिनांक - 29/12/2017
सी0एच0सी : कमालगंज

- पर्यवेक्षको द्वारा वास्तविक स्थिति जानने के लिए अपराहन 1:30 पर सी0एच0सी0 पहुचें।
- एन0सी0डी0 काउन्सलर सुश्री वदंना यादव के सम्बन्ध में बताया गया, कि वे अवकाश पर है परन्तु प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के पास उनका प्रार्थना पत्र नही था।
- डा0 ममता अरूण, स्त्री रोग विशिषेग अपराहन 2:30 बजे सी0एच0सी0 से चली गयी।
- डा0 मुक्ता वर्मा, आर0बी0एस0के0 टीम ए0 की चिकित्सक सी0एच0सी पर उपलब्ध नही थी।
- आर0बी0एस0के0 टीम सदस्यों द्वारा 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया जा चुका है, परन्तु वे अभी तक रजिस्ट्रर मे ठीक प्रकार से Entry नही कर पा रहे है।
- दोनो आर0बी0एस0के0 कार्यकम के वाहनो तथा उनके लॉग बुक का सत्यापन किया गया।
- 108 एमबुलेन्स के ई0एम0टी तथा ड्राइवर ऐपरन नही पहने हुए थे।
- ई0एम0टी0 को उपलब्ध दवाइयो की सही जानकारी नही थी।

Reshma Masood.
DR. Reshma Masood
AGM RBSK.

Adesh
(ADESH SHARMA)
PC-HR